

प्रकाश

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

संवा में

निदेशक,
समाज कल्याण, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 17 मार्च, 2008

विषय:- रुडकी, जनपद-हरिद्वार में संचालित मान्यता प्राप्त दो प्राविधिक शिक्षण संस्थानों को अनुदान हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपयुक्ता विषयक आपके पत्र संख्या - 3819/संस्क0/लेखा/प्राभा0अ0/2007-08 दिनांक 08 जनवरी, 2008 के क्रम में रुडकी, जनपद-हरिद्वार में संचालित मान्यता प्राप्त दो प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं क्रमशः महिला कला केन्द्र, बन्धपुरी तथा राष्ट्रीय महिला शिल्प विद्यालय, घासमंडी के कर्मचारियों के वेतन आदि के भुगतान हेतु कुल ₹0 10,00,000/- (₹10 दस लाख मात्र) की धनराशि की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उपरोक्त प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं को किस्त-किस्त मद में तथा किस सीमा तक अनुदान देय है, उससे सम्बन्धित नियमावली, मान्यता प्रमाण-पत्र दिनांक तीन वर्षों के लाभार्थियों की सूची तथा विवरण में शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
2. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत बालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये वर्गों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आबंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्ण स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को धृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमत्या के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए स्वीकृत किया जा रहा है।
5. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार रामर्षित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं बजट मैनुअल व मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।
8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक "2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-107-स्वैच्छिक संगठनों को सहायता-03- मान्यता प्राप्त प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं को अनुदान-00-" की मानक मद "20-सहायक अनुदान/अनुदान/राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग के अज्ञातकीय संख्या : 416(NP)/XXVII(3)/08 दिनांक : 28 फरवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या ६७ /XVII-02/2008-04(03)/2006 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कौषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. कौषाधिकारी, हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल, उत्तराखण्ड।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
7. मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार।
8. जिला समाज कल्याण अधिकारी, हरिद्वार।
9. अध्यक्ष, महिला कला केन्द्र, घन्टपुरी, रुड़की, जनपद-हरिद्वार।
10. अध्यक्ष, गांधी महिला शिल्प विद्यालय, घासगढ़ी, रुड़की, जनपद-हरिद्वार।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।
12. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय धरिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा सं.
(आरो के० चौहान)
अनु सचिव।